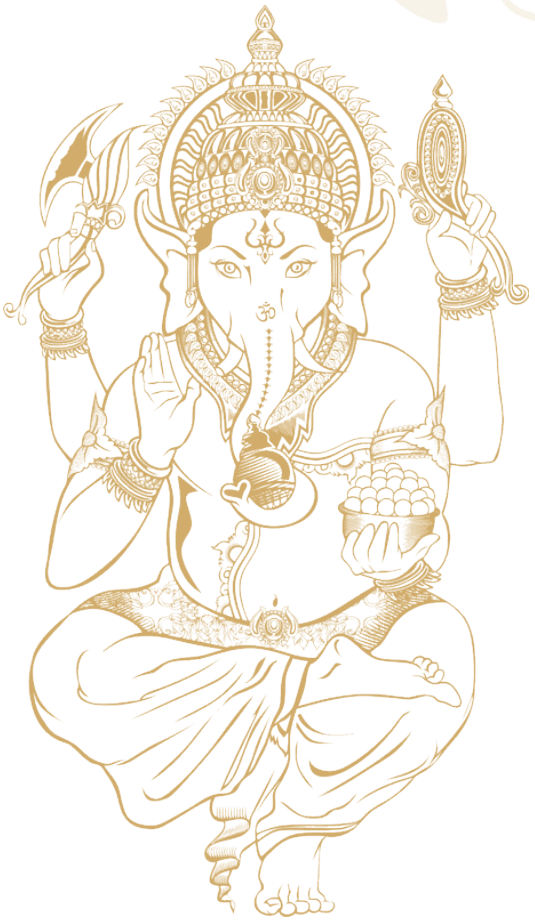

Deepak

aayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121492304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/1998	जन्म तिथि	21-22/01/1999
सोमवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 21:17:00	जन्म समय	04:50:00 घंटे
घटी 36:54:13	जन्म समय(घटी)	53:23:47 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Meerut
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:31:18	सूर्योदय	07:13:00
18:19:33	सूर्यास्त	17:48:03
23:50:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:29

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 1वर्ष 3मा 19दि	14:21:22	वृष	लग्न	धनु	01:19:20	गुरु 2वर्ष 10मा 15दि
शुक्र	18:21:48	कन्या	सूर्य	मक	07:37:51	बुध
24/01/2024	15:45:11	मीन	चंद्र	मीन	00:56:12	07/12/2020
24/01/2044	05:01:20	सिंह	मंगल	तुला	04:16:06	07/12/2037
शुक्र 25/05/2027	25:42:58	कन्या	बुध	धनु	28:59:19	बुध 06/05/2023
सूर्य 25/05/2028	26:44:27	कुंभ व	गुरु	मीन	01:38:09	केतु 02/05/2024
चन्द्र 23/01/2030	12:00:48	कन्या	शुक्र	मक	27:47:29	शुक्र 03/03/2027
मंगल 26/03/2031	07:43:41	मेष व	शनि	मेष	03:25:34	सूर्य 07/01/2028
राहु 25/03/2034	07:00:55	सिंह व	राहु	कर्क	28:21:38	चन्द्र 07/06/2029
गुरु 23/11/2036	07:00:55	कुंभ व	केतु	मक	28:21:38	मंगल 05/06/2030
शनि 24/01/2040	15:02:44	मक व	हर्ष	मक	18:16:29	राहु 22/12/2032
बुध 24/11/2042	05:33:25	मक व	नेप	मक	08:00:00	गुरु 30/03/2035
केतु 24/01/2044	12:08:49	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:55:48	शनि 07/12/2037

लग्न-चलित

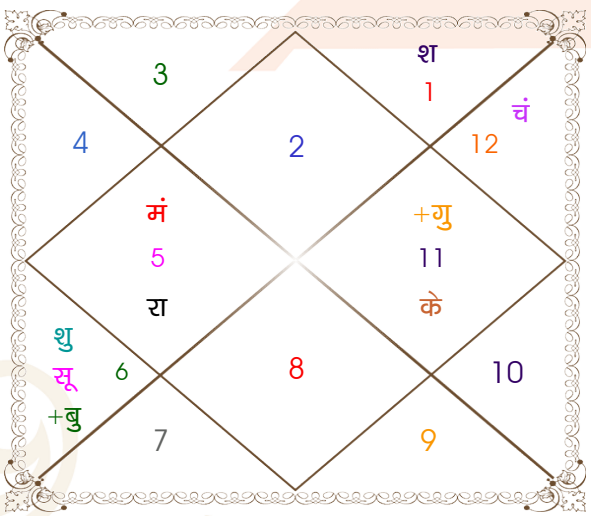

लग्न-चलित

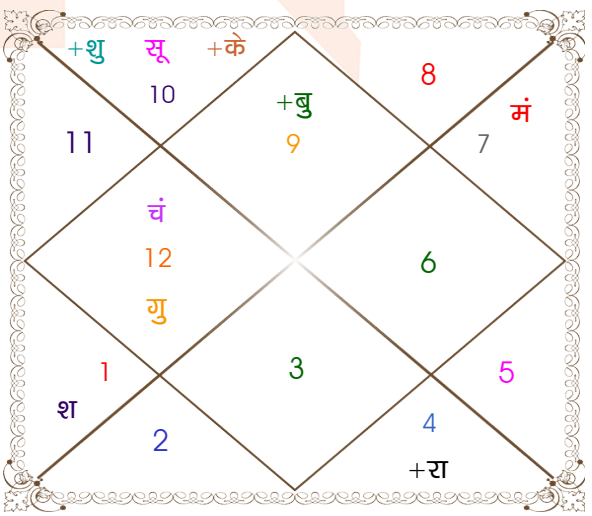

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

Deepak का वर्ग सिंह है तथा aayushi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Deepak और aayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Deepak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Deepak कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

aayushi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल aayushi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Deepak तथा aayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।